प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न पत्र : आधुनिक काव्य (छायावाद तक)

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

निर्धारित कवि और काव्य :

1. मैथिलीशरण गुप्त : 'साकेत' – नवम सर्ग
2. जयशंकर प्रसाद : 'कामायनी' – श्रद्धा
3. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' : दो कविताएँ – राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति
4. सुमित्रानन्दन पन्त : तीन कविताएँ – परिवर्तन और प्रथम रश्मि

पाठ्यपुस्तक : आधुनिक काव्य : प्रतिनिधि रचनाएँ

सम्पादक :

1. सम्पादक– डॉ0 आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह–सम्पादक–डॉ0 अल्का मिश्रा एवं डॉ0 राधेश्याम सिंह
   प्रकाशक– लोक भारती प्रकाशन

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
2. हिन्दी साहित्य : आधुनिक परिदृश्य : अज्ञेय
3. आधुनिक साहित्य : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
4. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ0 नामवर सिंह
5. छायावाद : डॉ0 नामवर सिंह
6. छायावाद : विश्लेषण और मूल्यांकन : डॉ0 दीनानाथशरण
7. छायावादी कवि और काव्य : डॉ0 श्रीदेवी खरे
8. छायावादी कवियों का सौन्दर्य–विधान : डॉ0 सूर्यप्रसाद दीक्षित
9. छायावाद का काव्य–शिल्प : डॉ0 प्रतिमा कृष्णबल
10. छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन : डॉ0 कुमार विमल
11. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व और काव्य : डॉ0 कमलाकान्त पाठक
12. साकेत : रूप – स्वरूप : डॉ0 शिवमूर्ति शर्मा
13. मैथिलीशरण गुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति के आख्याता : डॉ0 उमाकान्त
14. खड़ी बोली के उत्कर्ष में मैथिलीशरण गुप्त का योगदान : डॉ0 सहदेव शर्मा
15. साकेत : एक अध्ययन : डॉ0 नगेन्द्र
16. प्रसाद का काव्य : डॉ0 प्रेम शंकर

17. जयशंकरप्रसाद : वस्तु और कला : डॉ0 रामेश्वरलाल खण्डेलवाल
18. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन : डॉ0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना
19. कामायनी का शैली वैज्ञानिक अध्यन : डॉ0 सुरेन्द्र दुबे
20. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ : डॉ0 नगेन्द्र
21. भारतीय महाकाव्यों की परम्परा में कामायनी : डॉ0 विद्या टोपा
22. जयशंकर प्रसाद : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
23. महाप्राण निराला : डॉ0 गंगा प्रसाद पाण्डेय
24. निराला की साहित्य साधना : डॉ0 रामविलास शर्मा
25. विश्व – कवि निराला : डॉ0 बुद्धसेन नीहार
26. क्रान्तिकारी कवि निराला : डॉ0 बच्चन सिंह
27. कवि निराला : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
28. निराला : आत्महंता आस्था : डॉ0 दूधनाथ सिंह
29. निराला : डॉ0 परमानन्द श्रीवास्तव
30. प्रसाद, निराला और अज्ञेय : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
31. सुमित्रानन्दन पन्त : (सं0) सदानन्द प्रसाद गुप्त
32. सुमित्रानन्दन पन्त : डॉ0 नगेन्द्र
33. ज्योति–विहग : शान्तिप्रिय द्विवेदी
34. पन्त का काव्य : डॉ0 प्रेमलता बाफना
35. सुमित्रानन्दन पन्तः जीवन और साहित्य : डॉ0शान्ति जोशी
36. पन्त, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त : डॉ0 रामधारी सिंह 'दिनकर'
37. त्रयी : आचार्य जानकीबल्लभ शास्त्री
38. प्रसाद, निराला, अज्ञेय : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
39. साकेत : एक अध्ययन : डॉ0 नगेन्द्र

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न पत्र : छायावादोत्तर काव्य

पूर्णांक 100 क्रेडिट–05

निर्धारित कवि और काव्य :

1. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' : 'आसाध्य वीणा' कविता
2. गजानन माधव मुक्तिबोध : 'अंधेरे में' कविता
3. नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, पछाड़ दिया मेरे आस्तिक ने, बहुत दिनों के बाद
4. रामधारी सिंह दिनकर : कुरूक्षेत्र

पाठ्यपुस्तक : छायावादोत्तर काव्य : प्रतिनिधि रचनाएँ

सम्पादक :

1. सम्पादक– डॉ0 आशुतोष कुमार सिंह, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
2. सह सम्पादक– डॉ0 कुमार वीरेन्द्र
   प्रकाशक– लोक भारती प्रकाशन

सन्दर्भ –ग्रन्थ

1. कविता के नये प्रतिमान : डॉ0 नामवर सिंह
2. चालीसोत्तर हिन्दी कविता के हीरक हस्ताक्षर : डॉ0 दुर्गाप्रसाद ओझा, डा0 मधु खन्ना
   : डॉ0 इला सुकुमार
3. अज्ञेय : व्यक्तित्व विभास : डॉ0 दुर्गा प्रसाद ओझा
4. अज्ञेय कवि : डॉ0 ओम प्रकाश अवस्थी
5. अज्ञेय की कविता : डॉ0 चन्द्रकान्त वान्दिवडेकर
6. अज्ञेय सृजन और सन्दर्भ : डॉ0 सावित्री मिश्र
7. अज्ञेय : चेतना के सीमान्त : डॉ0 ज्वाला प्रसाद खेतान
8. अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन : डॉ0 केदारनाथ शर्मा
9. पंत सहचर : अशोक वाजपेयी
10. मुक्तिबोध : डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
11. मुक्तिबोध : विचारक, कवि और कथाकार : डॉ0 सुरेन्द्र प्रताप
12. मुक्तिबोध : डॉ0 लक्ष्मणदत्त गौतम
13. मुक्तिबोध की काव्य कला : डॉ0 अचला तिवारी
14. मुक्तिबोध :युगचेतना और अभिव्यक्ति : डॉ0 आलोक गुप्त
15. आत्मसंघर्ष की कविता और मुक्तिबोध : डॉ0 हंसराज त्रिपाठी
16. अज्ञेय कवि : डॉ0 ओम प्रकाश अवस्थी
17. कवियों का कवि शमशेर : रंजना अरगड़े
18. नागार्जुन की काव्ययात्रा : डॉ0 रतनकुमार पाण्डेय
19. फिलहाल : अशोक वाजपेयी
20. डॉ0 धर्मवीर भारती : व्यक्ति और साहित्यकार : पुष्पा भास्कर

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course)
एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र : हिंदी सृजनात्मक लेखन

पूर्णांक 100 क्रेडिट–04

इकाई– 1 :

- सृजनात्मक लेखन : काव्य एवं गद्य का संदर्भ
- सृजनात्मक लेखन से अभिप्राय : स्वरूप एवं आयाम
- गीत लेखन, मुक्तक लेखन, लंबी कविता–लेखन, प्रबंध–लेखन
- लघुकथा, कहानी, एकांकी, नाटक, उपन्यास आदि के लेखन की प्रविधि एवं प्रक्रिया

इकाई– 2 :

- मीडिया एवं फीचर लेखन में सृजनात्मक अपेक्षा तथा आयाम
- प्रिंट एवं दृश्य–श्रव्य माध्यमों के लिए लेखन के क्षेत्र एवं विस्तार
- मीडिया लेखन में सृजनशीलता का वैशिष्ट्य
- फीचर लेखन से अभिप्राय : स्वरूप, महत्व और क्षेत्र
- फीचर लेखन की रचना–प्रक्रिया

इकाई– 3 :

- रेडियो–टी0वी0 लेखन और सृजनात्मकता
- रेडियो–टी0वी0 : बच्चों के लिए सृजनात्मक लेखन
- रेडियो–टी0वी0 : प्रहसन, एकांकी और नाट्य–लेखन
- हास्य व्यंग्य एवं मनोरंजन विषयक लेखन और सृजनशीलता

इकाई–4 :

- गद्य की विभिन्न विधाओं का लेखन और सृजनशीलता
- कहानी लेखन और सृजनात्मकता
- संस्मरण, रेखाचित्र लेखन और सृजनधर्मिता
- संवाद–लेखन और सृजन–धर्म
- साक्षात्कार प्रविधि और सृजनात्मक बोध

प्रस्तावित पुस्तकें :

1. मीडिया लेखन कला : सूर्यप्रसाद दीक्षित, पवन अग्रवाल
2. हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम : वेदप्रताप वैदिक
3. फीचर लेखन : पूरनचंद टंडन, सुनील तिवारी
4. सूचना प्रौद्योगिकी, हिंदी और अनुवाद : संपा0 नीता गुप्ता, पूरनचंद टंडन
5. सृजनात्मक साहित्य और अनुवाद : सुरेश सिंहल, पूरनचंद टंडन

प्रो0 राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विष्वविद्यालय, प्रयागराज, उ0प्र0
(पूर्ववर्ती इलाहाबाद राज्य विष्वविद्यालय)
Prof. Rajendra Singh (Rajju Bhaiya) University, Prayagraj, U.P.
(Formerly Allahabad State University)

सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम (Generic Elective Course)
एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न पत्र : हिन्दी सिनेमा और साहित्य

पूर्णांक 100 क्रेडिट–04

इकाई– 1.

- सिनेमा का स्वरूप
- सिनेमा का उद्भव
- कैमरे की भूमिका
- दर्शक और स्क्रीन का संबंध

इकाई– 2.

- सिनेमा का इतिहास
- सिनेमा का आरंभिक युग
- सन साठ के बाद का न्यू वेब सिनेमा

इकाई– 3.

- हिंदी सिनेमा : समाज और संस्कृति–बालमनोविज्ञान और सिनेमा स्त्री–विमर्श और सिनेमा
- सांस्कृतिक विमर्श और सिनेमा
- राष्ट्रीयता और सिनेमा

इकाई– 4.

- सिनेमा और साहित्य का संबंध, साहित्यिक कृतियों पर बनी हिंदी फिल्में, विशेष अध्ययन : गोदान, शतरंज के खिलाड़ी, तीसरी कसम, रजनीगंधा

प्रस्तावित पुस्तकें :

- लेखक का सिनेमा : कुंवर नारायण
- पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोशी
- Film Theory : An Introduction Through the Senses, by Thomas Elsaesser and Malte Hagener
- हिंदी सिनेमा सदी का सफर : अनिल भार्गव
- साहित्य, सिनेमा और समाज : पूरनचंद टण्डन, सुनील कुमार तिवारी
- भारतीय सिनेमा का सफरनामा : संपा0 जयसिंह
- समय, सिनेमा और इतिहास : संजीव श्रीवास्तव

सिनेमा का जादुई सफर : प्रताप सिंह

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर
पंचम प्रश्न पत्र : दीर्घ शोघ परियोजना

पूर्णांक 100 क्रेडिट–10

दीघ शोघ परियोजना के विषय हिन्दी साहित्य के आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक संपूर्ण साहित्यिक विद्या होगा। शिक्षक किसी मौलिक विषय पर भी शोध का कार्य दे सकते है। विद्यार्थियों के शोध परियोजना में उद्धृरित सामग्री सन्दर्भ पद टिप्पणी, सन्दर्भ ग्रन्थावली, अनुसंधान क्रियाविधि आदि का समावेश हो।

शोध परियोजना का विषय अन्तरअनुशासनिक भी हो सकते है। शोध परियोजना का विषय नवीन, मौलिक और प्रासंगिक होना चाहिऐ।